

बाढ़ से हर वर्ष रेलवे लाइन और अन्य सम्पत्ति को काफी क्षति पहुंचती है ;

(ख) यदि हां, तो इससे होने वाली क्षति का क्या व्यौरा है और इस बारे में गत पांच वर्षों में हर वर्ष रेलवे प्रशासन द्वारा कितना व्यय किया जाता है ;

(ग) क्या इस वर्ष भी रेलवे लाइन कई जगह से टूट गई है और यातायात पूर्णतः ठप्प हो गया है ;

(घ) हर वर्ष रेलवे प्रशासन को होने वाली हानि को रोकने के लिये क्या सरकार कोई स्थायी उपाय कर रही है ; और !

(ङ) यदि हां, तो योजना की मुख्य बातें क्या हैं ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) से (ङ). जब कभी घग्घर नदी में बाढ़ आती है, तो राजस्थान के श्री गंगानगर जिले में रेलवे लाइनों को क्षति पहुंचती है।

रेलवे लाइनों को क्षति इस रूप में होती है कि विभिन्न स्थानों पर पटरी के ऊपर पानी चढ़ जाने के कारण रेल-पथ टूट जाता है। पिछले पांच वर्षों में यातायात फिर से चालू करने के काम पर प्रति वर्ष जो खर्च हुआ, वह इस प्रकार है :—1961-62 में 1.61 लाख रुपये, 1962-63 में 2.61 लाख रुपये, 1963-64 में 1.82 लाख रुपये, 1964-65 में 2.85 लाख रुपये और 1965-66 में 1.07 लाख रुपये।

इस वर्ष भी हनुमानगढ़ और हनुमानगढ़ टाउन, सूरतगढ़ और रंगमहल, रंगमहल और पीलीबंगा, सूरतगढ़ और सरूपसर तथा सरूपसर और अनूपगढ़ के बीच रेल-पथ टट गया और पानी लाइन के ऊपर से बहने लगा।

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग के तत्वावधान में राजस्थान और पंजाब सरकारों घग्घर नदी के पानी को रेत के टीलों की ओर मोड़ने और ओट्टा जल-भंडार मुदूढ़ करके उसके दोनों ओर नहरें बनाने का प्रबन्ध कर रही हैं। ये काम किये जा रहे हैं। नदी के परिवर्तित मार्ग पर रेलवे को दो पुल बनाने हैं, जिनमें से एक पुल बन गया है और दूसरा काम के आगामी मौसम में बन कर तैयार हो जायेगा।

पंजाब में मुनाफाखोरों के विरुद्ध अभियान

* 826. श्री युद्धवीर सिंह :

श्री हुक्म चन्द कछवाय :

श्री काशीराम गुप्त :

श्री नम्बियार :

श्री सोलंकी :

श्री किशन पटनायक :

श्री दलजीत सिंह :

श्री साधूराम :

श्री हेम राज :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मुनाफाखोरी, जमाखोरी तथा मिलावट करने वाले व्यापारियों के विरुद्ध पंजाब के राज्यपाल द्वारा चलाये गये अभियान के अन्तर्गत अब तक कितने व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जा चुका है ;

(ख) इसके परिणामस्वरूप कितनी माल बरामद किया गया है ;

(ग) क्या इस अभियान के अन्तर्गत अष्ट सरकारी कर्मचारियों को भी गिरफ्तार किया गया है ; और

(घ) यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री मनुभाई शाह) :
 (क) से (घ). एक विवरण सभा पटल पर
 रखा जाता है। [पुस्तकालय में रखा गया,
 इलिये संख्या एल० टी० 7005/66]।

Industries in the Eastern Districts of U.P.

*827. **Shri Rajdeo Singh:**
Shri Vishram Prasad:
Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Bal Krishna Singh:
Shri Vishwanath Roy:
Shri Gahmari:
Shri Surendra Pal Singh:

Will the Minister of Industry be pleased to state:

(a) whether Government, in the interest of uniform development of the country, propose to impose some kinds of restrictions on Industrialists so as not to concentrate in big cities only;

(b) whether Government are aware of the recommendations of the Patel Study Team regarding the deplorable poverty and backwardness of Eastern Districts of Uttar Pradesh; and

(c) if so, whether Government propose to set up industries either in the public sector or in the private sector in these districts?

The Minister of Industry (Shri D. Sanjivayya): (a) While Government do not propose to impose any restrictions as such; Government do take into consideration, while licensing schemes for establishment of industrial units, the need to avoid concentration of industries in big cities.

(b) Yes, Sir.

(c) The possibility of establishing a paper-cum-pulp unit in the Eastern U.P./North Bihar area by the Paper Corporation is under consideration, but this is still in a preliminary stage

and a definite decision will be taken only after a detailed Techno-Economic Study. Special steps have been taken to provide loans to small scale entrepreneurs and to establish industrial estates in these districts.

Indo-Afghanistan Trade

*828. **Shri Narendra Singh Mahida:**
 Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Pakistan is making a determined bid to impose barriers against Indo-Afghan trade and disrupt it and whether Pakistan has agreed to allow the use of the overland route only for transit of Afghan goods meant for India and not vice versa; and

(b) if so, the action taken in the matter?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) Pakistan has permitted movement of all goods between India and Afghanistan via Karachi. Recently, movement of Afghan fresh fruits to India has also been permitted by Pakistan through Husainiwala Customs Checkpost. Movement of goods from India to Afghanistan via Husainiwala is, however, not allowed by Pakistan.

(b) Government are pressing Pakistan to open the over-land route for Indo-Afghan trade.

Export of Coir Yarn to Burma

*829. **Shri A. K. Gopalan:**
Shri Umanath:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian coir yarn exporters are incurring heavy loss due to the refusal of the Government of Burma to revalue rupee contracts prior to the 6th June, 1966;